1 प्रार्थना

देश की माटी, देश का जल
हवा देश की, देश के फल
सरस बनें प्रभु, सरस बनें।

देश के घर और देश के घाट
देश के वन औ देश के बाट
सरल बनें प्रभु, सरल बनें।

देश के तन औ देश के मन
देश के घर के भाई-बहन
विमल बनें प्रभु, विमल बनें।

देश की इच्छा, देश की आशा
काम देश का, देश की भाषा
एक बनें प्रभु, एक बनें।

देश की माटी, देश का जल
हवा देश की, देश के फल
सरस बनें प्रभु, सरस बनें।

– रवीद्रनाथ ठाकुर

शिक्षक संकेत : बच्चों को यह प्रार्थना लयपूर्वक गाने का अभ्यास कराएँ ।

शब्दार्थ

सरस	–	रसदार , मीठा	**प्रभु**	–	भगवान
वन	–	जंगल	**औ**	–	और
बाट	–	रास्ता	**सरल**	–	आसान
तन	–	शरीर	**विमल**	–	साफ

अभ्यास

1. आइए बातचीत करें -

(क) आपके गाँव की मिट्टी का रंग कैसा है ?

.....

.....

(ख) आपके यहाँ की मिट्टी में कौन-कौन सी फसलें उगाई जाती हैं ?

.....

.....

(ग) आपके घर में मिट्टी से बनी कौन-कौन सी चीजें काम में लाई जाती हैं?

.....

.....

2. पाठ की बात -

(क) प्रभु से किन-किन चीजों को सरल बनाने की प्रार्थना की गई है ?

.....

.....

(ख) प्रभु से किन-किन चीजों को विमल बनाने की प्रार्थना की गई है ?

.....

.....

(ग) प्रभु से किन-किन चीजों को एक बनाने की प्रार्थना की गई है ?

.....

.....

(घ) प्रभु से इन्हें एक बनाने की प्रार्थना क्यों की गई है ?

.....

.....

3. यहाँ कविता की जिन पंक्तियों का अर्थ दिया जा रहा है, उन्हें लिखिए-

(क) हे प्रभु! मेरे देश के घर, यहाँ की नदियों के किनारे, यहाँ के वन और यहाँ के रास्ते ऐसे सुगम बने कि सभी आसानी से वहाँ आ-जा सकें।

.....

.....

(ख) हे प्रभु! सभी देशवासी अपने शरीर और मन से स्वच्छ एवं निर्मल बनें। मेरे देश के सभी भाई-बहन किसी भी प्रकार के छल-कपट से दूर रहें ।

.....

.....

4. कविता में आए एक जैसी आवाज वाले शब्दों के जोड़े बनाएँ -

जैसे जल - फल

..... - .....

..... - .....

..... - .....

..... - .....

..... - .....

5. रिक्त स्थानों को भरें -

(क) देश के .....और ..... के घाट
देश के ..... औ देश के .....
सरल बनें प्रभु , सरल बनें ।

(ख) देश की ....., देश की आशा
..... देश का, देश की .....
..... बनें प्रभु , एक बनें ।

6. आपके विद्यालय या घर में कई प्रार्थनाएँ की जाती होंगी। उनमें से जो आपको याद हो, उसकी चार पंक्तियाँ लिखें–

.....

.....

.....

.....

7. अपने देश के बारे में पाँच वाक्य लिखें –

.....

.....

.....

.....

.....